विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय सी० सी० ए० दिनांक 23 अक्टूबर 2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

प्यारे बच्चों

सुप्रभातम

दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं के साथ आज आप लोगों को कुछ गुण, अवगुण, सत्य ,सत्य के बारे में कहने जा रहा हूँ । ध्यान पूर्वक सुने।

एक बार माता पार्वती जी ने भगवान शिव को दशहरे के त्यौहार के फल के बारे में पूछा। शिव जी ने उत्तर दिया -आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी को सायंकाल में तारा उदय होने के समय विजय नामक काल होता है इसी दिन जल्दी श्रवण नक्षत्र का योग होता है तो और भी शुभ होता है ।

भगवान श्रीराम ने इसी विजय काल में लंका पर चढ़ाई किया और रावण को प्राप्त किया था। इसी काल में शमी वृक्ष नहीं अर्जुन का गांडीव धनुष धारण किया ।

युधिष्ठिर के पूछने के बाद श्री कृष्ण ने उन्हें भाग बताया कि विजयदशमी के दिन राजा को स्वयं अलंकृत होकर अपने दासू और हाथियों घोड़ों को सजाना चाहिए। उसी दिन अपने पुरोहित को साथ

लेकर पूर्व दिशा में प्रस्थान करके दूसरे राजा की सीमा में प्रवेश करना चाहिए तथा वहां वास्तु पूजन ही करना चाहिए और उसी दिन शत्रु को मूर्ति को बनाकर उसके छाती में वान मरना चाहिए

धन्यवाद।